अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2020) दिनांक : 21.12.2020

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु विचार दर्शन–80

प्र. 1 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 10

(क) जीवन-मृत्यु की आवृत्ति का निरोध किससे होता है?

(ख) 'संघ पट्टक' की रचना किसने और किस उद्देश्य से की?

(ग) आत्म विकास का साधन क्या है?

(घ) गुरूदेव! आपकी बुद्धि निर्मल है उससे सत्य की अभिव्यक्ति होगी। आप लोगों को प्रतिबोध दें। आचार्य भिक्षु से यह विनय भरा अनुरोध किसने किया?

(ङ) गोशालक पर तेजोलेश्या का प्रयोग किसने किया और भगवान महावीर ने कौन सी योग शक्ति से उसे बचाया?

(च) प्रवृत्ति किसे कहते हैं?

(छ) शब्द-ज्ञान को प्रमाण मानने से क्या लाभ होता है?

(ज) हिंसा और अहिंसा का सिद्धान्त किस पर टिका हुआ है?

(झ) सामाजिक जीवन के आधार स्तम्भ कौन-कौन से हैं?

(ञ) जीव किन-किन कारणों से दुःख की परम्परा को बनाए रखता है?

(ट) भृगु पुत्र किस प्रयोजन से तप करना चाहते थे?

(ठ) कौन से तीर्थंकर भगवान ने दीक्षा से पूर्व दान देना चाहा लेकिन लेने वाला कोई नहीं मिला?

प्र. 2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 10

(क) आचार्य भिक्षु के समय कुछ लोगों की मान्यता थी कि जीव को मारने, मरवाने और अनुमोदन करने में पाप लगता है, वैसे ही मारते हुए को देखने में भी पाप लगता है। इस विषय में आचार्य भिक्षु की मान्यता क्या थी? लिखें।

(ख) जो साधु जीव हिंसा में धर्म मानते हैं उनके तीन महाव्रत कैसे टूटते हैं?

(ग) आचार्य भिक्षु ने धर्म और अधर्म, अहिंसा और हिंसा के पृथक्करण की भेद रेखा खींचते हुए क्या कहा? लिखें।

(घ) किसी ने कहा–'स्वामीजी! आप व्याख्यान देते जा रहे हैं और उधर कुछ लोग आपकी निन्दा करते जा रहे हैं।' प्रत्युत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ङ) आचार्य निर्वाचन में किन-किन बातों का होना आवश्यक है?

(च) जो लोग सेवा मात्र को धर्म मानते हैं उनको लक्षित करते हुए महात्मा गांधी ने क्या कहा?

प्र. 3 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 28

(क) 'महाव्रतों को एक-एक कर स्वीकार नहीं किया जा सकता इसका स्वीकार एक ही साथ होता है।' महाव्रत और अणुव्रत के आधार पर स्पष्ट करें।

(ख) स्पष्ट करें कि तेरापंथ एकतंत्र और जनतंत्र का समन्वय है।

(ग) घटना प्रसंगों से स्पष्ट करें कि 'आचार्य भिक्षु साधन सामग्री स्वल्प थी लेकिन उनके जीवन में क्षमा, बुद्धि और परीक्षा के ऐसे मनोभाव थे जिससे धर्म क्रान्ति की भूमि का सहज ही निर्माण हो गया।'

(घ) स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु मानव थे। वे मानवीय दुर्बलताओं से सर्वथा मुक्त नहीं थे।

(ङ) अहिंसा के साधन उनके अनुकूल हो तभी उसकी आराधना की जा सकती है अन्यथा वह हिंसा में परिणत हो जाती है। आचार्य भिक्षु के विचारों को व्याख्यायित करें।

(च) आचार्य भिक्षु के जीवन में घटित घटना प्रसंग के आधार पर सिद्ध करें कि 'तेरापंथ की शान्तिपूर्ण नीति आचार्य भिक्षु की तितिक्षा की परिणति है।'

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें– 32

(क) आचार्य भिक्षु व अन्य चिन्तनशील विचारकों के विचारों द्वारा प्रवृत्ति और निवृत्ति को व्याख्यायित करें।

(ख) साध्य-साधन के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालें।

(ग) आचार्य भिक्षु द्वारा निर्मित संघ व्यवस्था पर सारगर्भित लेख लिखें।

भिक्षु वाणी–20

प्र. 5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8

(क) ज्यां लग पुन्न.....होय जाय।।

(ख) पहड़े सगाने.....जगनाथ री।।

(ग) मींगण्या री.....अधिकी थाय।।

(घ) उझिया भोगवती.....टोला री आब।।

प्र. 6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) सोर ठंडो लागे.....पड़े जातो।।

(ख) कोई कहे.....धर्म साख्यात।।

(ग) आ तो.....दीधा न्हांख।।

(घ) समचें दान.....भेल सभेली।।

प्र. 7 किन्हीं दो पद्य लिखें– 6

(क) कुगुरु

(ख) पुरूषार्थ

(ग) दुःषमाकाल

(घ) उपदेष्टा